कला संस्कृति विकास योजना

हाल ही में संस्कृति मंत्रालय ने "कला संस्कृति विकास योजना (KSVY)" के तहत बौद्ध/तिब्बती संस्कृति और कला के विकास के लिये वित्तीय सहायता हेतु एक योजना शुरू की है।

- इस योजना के तहत देश के किसी भी हिस्से में स्थित बौद्ध/तिब्बती संस्कृति एवं परंपरा के प्रचार और विकास में लगे मठों सहित स्वैच्छिक बौद्ध तथा तिब्बती संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एक संगठन के लिये वित्तपोषण की राशि प्रतिवर्ष 30 लाख रुपए है।

प्रमुख बिंदु

- KSVY देश में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये संस्कृति मंत्रालय के तहत एक अंबरेला योजना है। यह एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना है।
- मंत्रालय KSVY के तहत कई योजनाएँ लागू करता है, जहाँ कार्यक्रमों/गतिविधियों के आयोजन के लिये अनुदान स्वीकृत/अनुमोदित किया जाता है।
- कला और संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय सहायता योजना।
- सांस्कृतिक बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिये वित्तीय सहायता योजना।
- अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिये योजना, जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की 13 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है।

13 ICH traditions recognised by UNESCO			
1.	Tradition of Vedic chanting, 2008	8.	Buddhist chanting of Ladakh: recitation of sacred Buddhist texts in the trans-Himalayan Ladakh region, Jammu and Kashmir, India, 2012
2.	Ramlila, the traditional performance of the Ramayana, 2008	9.	Sankirtana, ritual singing, drumming and dancing of Manipur, 2013
3.	Kutiyattam, Sanskrit theatre, 2008	10.	Traditional brass and copper craft of utensil making among the Thatheras of Jandiala Guru, Punjab, India ,2014
4.	Ramman, religious festival and ritual theatre of the Garhwal Himalayas, India, 2009	11.	Yoga, 2016
5.	Mudiyettu, ritual theatre and dance drama of Kerala, 2010	12.	Nowruz, 2016
6.	Kalbelia folk songs and dances of Rajasthan, 2010	13.	Kumbh Mela, 2017
7.	Chhau dance, 2010		

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kala-sanskriti-vikas-yojna